# रेवा

९वीं

## एक सरल अध्ययन

**R-3**

**Based on Latest syllabus**
**and Guidelines by**
**NEP & CBSE**

सप्तऋषि पब्लिकेशन
चंडीगढ़

# Reva

## *Ek Saral Adhyan*

**ISBN: 978-93-7407-074-1**

**Edition: 2026**

***Saptrishi Publication All Rights Reserved***



Published by
**Saptrishi Publication**
Plot No. 25/6, Industrial Area, Phase-2,
Near Tribune Chowk, Chandigarh.
E-mail-: sapatrishi94@gmail.com
**Visit us at : www.saptrishipublication.com**
94638-36591, 77174-65715

*All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or any information storage and retrieval system, without permission in writing from the Publisher and Author*

**Printed at Saptrishi Printer**

# अनुक्रमांक

## भाग -1


1. मेरी भी आभा है इसमें - नागार्जुन 5
2. कंजूस और सोना - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 15
3. साङकेन - केदारनाथ अग्रवाल 29
4. बसंती हवा - केदारनाथ अग्रवाल 45
5. न्याय की कुर्सी - लीलावती भागवत 58
6. हमारे ये कलामंदिर - निर्माण समिति 77
7. चंद्रशेखर वेंकटरमन - विष्णु प्रभाकर 86
8. कबीर का दोहा – कबीरदास 103
9. टिकट-अलबम - सुंदरा रामस्वामी 118
10. हमारा आदित्य 132


## भाग -2


- अध्याय–1 : सुनना एवं बोलना कौशल 146
- अध्याय - 2 : रचनात्मक लेखन 179
- अध्याय - 3 : रेवा-आधारित पठन एवं लेखन कौशल 222
- अध्याय – 4 : परियोजना कार्य 226

# भाग 1

# 1

# मेरी भी आभा है इसमें

**कवि : नागार्जुन**

## कवि परिचय



नागार्जुन का जन्म **30 जून, 1911** को **बिहार के तरौनी गाँव** (वर्तमान मधुबनी ज़िला) में हुआ था। उनका वास्तविक नाम **वैद्यनाथ मिश्र** था। वे हिंदी और मैथिली के प्रसिद्ध कवि थे। मैथिली में वे '**यात्री**' और हिंदी में '**नागार्जुन**' नाम से लिखते थे। उनकी कविताओं में किसान, मजदूर और आम लोगों के जीवन का सरल और सच्चा चित्रण मिलता है। उन्होंने समाज की समस्याओं और प्रकृति का भी सुंदर वर्णन किया है। उनकी भाषा सरल, सहज और प्रभावशाली है, इसलिए उनकी रचनाएँ विद्यार्थियों और सामान्य पाठकों को आसानी से समझ में आती हैं। हिंदी साहित्य में उन्हें '**जनकवि**' के रूप में सम्मान प्राप्त है। उनका निधन **5 नवंबर, 1998** को हुआ।

## 1. मूल पाठ

*नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है।*
*यह विशाल भूखंड आज जो दमक रहा है।*
*मेरी भी आभा है इसमें।*

## कठिन शब्दार्थ :

**गगन**—आकाश; **सूर्य**—सूरज; **विशाल**—बहुत बड़ा, विस्तृत; **भूखंड**—धरती, देश; **दमक रहा है**—चमक रहा है, शोभायमान हो रहा है; **आभा**—तेज, चमक, गौरव, योगदान।

## प्रसंग